

पर्यावरण संरक्षण बनाम आजीविका की चुनौतियाँ

पंजाब में एक ज़िला मजस्ट्रेट के रूप में, आप अपने प्रशासनिक क्षेत्र में पराली दहन की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि का सामना कर रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण की स्थिति के लिये राज्य के मुख्य सचिव की आलोचना की है। परिणामस्वरूप, मुख्य सचिव ने सभी ज़िला प्रशासकों, जसमें आपका ज़िला भी शामिल है, को पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का नरिदेश दिया है।

इस नरिदेश के जवाब में, आपके ज़िले की पुलिस ने किसानों के वरिद्ध अंधाधुंध प्राथमिकी (FIR) दर्ज की है और जैसा कि पहले से ही अनुमानित था वरिद्ध वभिन्न किसान संघों ने इसके खिलाफ वरिध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। ज़िला प्रशासक के रूप में, आप इस तथ्य से अवगत हैं कि ज़िला प्रशासन के पास सभी किसानों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिये पर्याप्त संख्या में 'बेलर मशीनों' उपलब्ध नहीं हैं। यह कमी पराली जलाने की अतरिकित घटनाओं में योगदान देकर समस्या को बढ़ा रही है।

ज़िला प्रशासन पर्यावरण संरक्षण की परस्पर वरिधी मांगों और किसानों के सामने आने वाली आजीविका संबंधी चुनौतियों का नेतकि रूप से कैसे समाधान कर सकता है, वशिष रूप से उस स्थिति में जब संसाधन अपर्याप्त हों?

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/environmental-protection-vs-livelihood-challenges>

